क्षेत्रीय पत्रकारिता DSE 1- (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 1 **क्षेत्रीय पत्रकारिता**	**4**	**3**	0	**1**	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. क्षेत्रीय पत्रकारिता के स्वरूप को समझाना।
2. संस्कृति-विकास और स्थानीय महत्त्व की दृष्टि से क्षेत्रीय पत्रकारिता की उपयोगिता से अवगत कराना।
3. लोक कला, लोक साहित्य, लोक संगीत के विकास में क्षेत्रीय पत्रकारिता की भूमिका पर विचार करना।

Course Learning Outcomes

1. समाज और संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में क्षेत्रीय पत्रकारिता के विविध रूपों की जानकारी हासिल कर पाएंगे।
2. स्थानीय भाषाओं के महत्त्व एवं उसके योगदान से अवगत होंगे।
3. क्षेत्रीय पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगारपरक संभावनाओं से परिचित होंगे।

1. क्षेत्रीय पत्रकारिता : सामान्य परिचय **10 घंटे**

- क्षेत्रीय पत्रकारिता – अर्थ स्वरूप एवं प्रकृति
- स्वाधीनता संग्राम में क्षेत्रीय पत्रकारिता का योगदान
- मुख्यधारा की मीडिया और क्षेत्रीय पत्रकारिता में अंतर

2. क्षेत्रीय पत्रकारिता : सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव **10 घंटे**

- क्षेत्रीय पत्रकारिता का प्रबंधन और बाज़ार, सामग्री संकलन
- सामाजिक परिवर्तन और लोक संस्कृति पर क्षेत्रीय पत्रकारिता का प्रभाव

- क्षेत्रीय पत्रकारिता की भाषा शैली

3. क्षेत्रीय पत्रकारिता की अंतर्वस्तु **10 घंटे**

- क्षेत्रीय पत्र-पत्रिकाओं में स्थानीय समाचार, जनसरोकार संबंधी मुद्दों की प्रस्तुति
- आकाशवाणी – दूरदर्शन में क्षेत्रीय कार्यक्रमों की प्रस्तुति के विविध आयाम
- ऑनलाइन क्षेत्रीय पत्रकारिता और क्षेत्रीय मुद्दे

4. क्षेत्रीय ग्रामीण पत्रकारिता **15 घंटे**

- क्षेत्रीय पत्रकारिता में ग्रामीण संदर्भ
- प्रिंट माध्यमों में जनपदीय ब्यूरो-संरचना, संकलन एवं अन्य संदर्भ
- क्षेत्रीय पत्रकार की कार्यप्रणाली और चुनौतियाँ

प्रायोगिक कार्य : 30 **घंटे**

- मुख्य-धारा एवं क्षेत्रीय समाचार-पत्र, पत्रिकाओं की विषयवस्तु का तुलनात्मक विश्लेषण
- क्षेत्रीय समाचार पत्र के लिये रिपोर्ट लेखन, फ़ीचर प्रस्तुत करना
- क्षेत्रीय पत्रकारिता की भाषा शैली की समीक्षा करना
- स्थानीय मुद्दों पर आधारित न्यूजलेटर का निर्माण करना

सहायक पुस्तकें :

1. मीडिया में महिलाओं की भूमिका, संगीता अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन
2. बिहार में पत्रकारिता का इतिहास, विजय भास्कर, प्रभात प्रकाशन
3. कृषि पत्रकारिता का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्ष, राम कृष्ण पराशर, नकुल पराशर, हिंदी माध्यम क्रियान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
4. हिंदी पत्रकारिता शब्द संपदा, बद्रीनाथ आर, राकेश शिवकुमार अवस्थी
5. हिंदी पत्रकारिता और राष्ट्रीय एकता, डॉ हरिमोहन, डॉ जयंत शुक्ल, तक्षशिला प्रकाशन
6. हिंदी के प्रमुख समाचार-पत्र और पत्रिकाएं, अच्युतानंद मिश्र, सामयिक प्रकाशन
7. हिन्दी के प्रमुख क्षेत्रीय समाचार पत्र-पत्रिकाओं और चैनलों पर प्रकाशित-प्रसारित सामग्री